



आ पुं. भाषा देवनागरी वर्णमाला के स्वरों में दूसरा स्वर है जो अ का दीर्घ रूप है। 'आ' का उच्चारण कंठ से होता है। संस्कृत में 'आ' का प्रयोग उपसर्ग के रूप में भी होता है।

आंकड़ा संचय पुं. (तद्+तत्.) कंप्यूटर में संचित आंकड़ों और उन पर की जाने वाली संक्रियाओं का समुच्चय (जिनका आवश्यकता पड़ने पर सरलता से उपयोग किया जाता है), आँकड़ा बैंक।

आंकड़ा संसाधन पुं. (तद्+तत्.) 1. गणि. सांख्यिकीय साधनों से प्रश्नों को हल करने की प्रक्रिया 2. कंप्यू. आँकड़ों पर आधारित संक्रियाओं का व्यवस्थित निष्पादन data-processing

आंगार पुं. (तत्.) जलते कोयलों का ढेर या समूह, अंगारों का ढेर।

आंगारिक वि. (तत्.) 1. अंगारों से संबंध रखने वाला। 2. अंगारों पर पकाया जाने वाला, तंदूर में पकने वाला। barbecue

आंगिक वि. (तत्.) अंग या शरीर-संबंधी, कायिक, शारीरिक।

आंगिक अभिनय पुं. (तत्.) शारीरिक अंगों-उपांगों से चित्त के भाव प्रकट करना। नृत्य में आँखों, भौंहों, हाथों आदि से प्रकट चेष्टाएँ, नाटकीय अभिनय में विभिन्न अंगों की सहायता से हाव-भाव प्रदर्शन।

आंगिरस वि. (तत्.) अंगिरा ऋषि से संबंधित, आंगिरा का पुं. 1. अंगिरा ऋषि का पुत्र, बृहस्पति 2. अंगिरा ऋषि के वंश या गोत्र में उत्पन्न।

आंग्ल वि. (देश.) 1. अंग्रेजी या अंग्रेजी से संबंधित 2. अंग्रेजों से, इंग्लैंड देश से संबंधित।

आंग्ल भारतीय पुं. (तत्.) नागरिकों का वह वर्ग, जिनके माता-पिता में से एक अंग्रेज और एक

भारतीय हो टि. अंग्रेज पिता और भारतीय माता की संतान और उनके वंशज anglo-indian community

आंचलिक वि. (तत्.) अंचल-संबंधी, क्षेत्र-विशेष के परिवेश से संबंधित।

आंचलिकता स्त्री. (तत्.) क्षेत्र-विशेष के परिवेश की उपस्थिति से संबंध रखने का भाव।

आंजनेय पुं. (तत्.) अंजना का पुत्र, हनुमान।

आंतर वि. (तत्.) 1. भीतरी 2. छिपा हुआ, गुप्त पुं. (तत्.) 1. अंतःप्रकृति 2. हृदय 3. आंतरिक स्वभाव।

आंतर-आण्विक वि. (तत्.) रसा. एक ही अणु के विभिन्न भागों के बीच अभिक्रिया से बना उदा. किसी अणु में स्थित किसी परमाणु या परमाणु समूह की स्थिति में परिवर्तन से भिन्न समावयवी यौगिक का बनना पर्या. अंतःआणविक।

आंतरभाषिक वि. (तत्.) 1. मूल भाषा में ही कथन की पुनर्व्याख्या 2. मूल भाषा में कथ्य का विधा परिवर्तन यथा- नाटक के संवादों का कहानी रूप, कहानी का चलचित्रिय रूप।

आंतरांगारिक वि. (तत्.) 1. निवास के भीतरी भाग से संबद्ध 2. अन्तःपुर संबंधी 3. भंडार से संबद्ध 4. भंडार प्रमुख 5. भंडारी 6. कोषाध्यक्ष।

आंतरायिक वि. (तत्.) एक निश्चित अंतराल के पश्चात् होने वाला।

आंतरिक वि. (तत्.) 1. अंदर का, भीतरी 2. हार्दिक।

आंतरिक अशांति स्त्री. (तत्.) दे. आभ्यंतरिक अशांति।

आंतरिकता स्त्री. (तत्.) (आंतरिक+ता) 1. भीतरीपन, 2. अंतरंगता 3. आत्मीयता, घनिष्ठता।

आंतरिक पत्तन पुं. (तत्.) भूगो. समुद्र तट से दूर, नदी या नहर से जुड़े स्थलखंड के भीतर स्थित पत्तन (बंदरगाह) विलो. बाह्य पत्तन।